दिल्ली (राजधानी) गाजियाबाद (उ.प्र.) एवं देहरादून (उत्तराखंड) से एक साथ प्रकाशित

@manasvi_vani

www. manasvivani.com

मनस्वी वाणी

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

राष्ट्रवादी विचारधारा को समर्पित दैनिक समाचार पत्र

आपका विश्वास हमारी पहचान

वर्ष : 11, अंक : 145, पृष्ठ : 06 मूल्य : 2.00 रुपये, गाजियाबाद, शनिवार, 26 सितंबर, 2026

RNI NO. UPHIN/2016/67940

8285002838

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन,200 छात्रों ने लिया भाग

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर।आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी दिल्ली - मेरठ रोड में विश्व फार्मासिस्ट दिवस - 2026 का आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम स्वास्थ्य भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना रही।जिसमें कॉलेज के लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारम्भ आईटीएस - दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आरपी चड्ढा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा जनसंपर्क निदेशक सुरेन्द्र सूद मुख्य अतिथिगण डॉ0 एम कलाइवानी संदीप सोनी पूर्व छात्र आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी नितिन राजपूत संस्थान के निदेशक डॉ0 एस सतीश कुमार एवं संस्थान की डीन डॉ0 राजकुमारी द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि डॉ0 एम कलाइवानी प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बढ़ती जिम्मेदारियों एवं महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला।

विशिष्ट अतिथि संदीप सोनी [illegible] मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, विस्मा हेल्थकेयर, दिल्ली ने फार्मासिस्टों की भूमिका एवं जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने उस कठिन समय में फार्मासिस्ट समुदाय द्वारा किए गए योगदान एवं सेवाओं को स्मरण करते हुए विद्यार्थियों को अपने पेशे की सामाजिक जिम्मेदारी को समझने का संदेश दिया।कार्यक्रम में आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के पूर्व छात्र नितिन राजपूत, निदेशक, एनबीआर हेल्थकेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद, हरियाणा ने कहा कि कॉलेज जीवन उनके व्यावसायिक जीवन की नींव रखने वाला महत्वपूर्ण चरण रहा है। इस अवसर पर डॉ0 आरपी चड्ढा, चेयरमैन आईटीएस - दी एजुकेशन ग्रुप ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार अंग हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में फार्मेसी का क्षेत्र केवल औषधियों के निर्माण एवं वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि रोगी की सुरक्षा, औषधियों के उचित एवं तर्कसंगत उपयोग, स्वास्थ्य जागरूकता, अनुसंधान तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका है।कार्यक्रम में अर्पित चड्ढा, वाइस चेयरमैन आईटीएस - दी एजुकेशन ग्रुप ने कहा कि फार्मेसी केवल एक व्यावसायिक शिक्षा नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य एवं समाज की सेवा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार क्षेत्र है।उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संस्थान के निदेशक, शिक्षकों, आयोजन समिति एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। सुरेन्द्र सूद जनसंपर्क निदेशक आईटीएस- दी एजुकेशन ग्रुप ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था की एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी हैं और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा में उनकी भूमिका अत्यंत व्यापक एवं जिम्मेदारीपूर्ण है।उन्होंने कहा कि विश्व के करोड़ों लोगों तक गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं प्रभावी औषधियां पहुंचाने में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका है। संस्थान के निदेशक डॉ0 एस सतीश कुमार ने सभी सम्मानित अतिथियों, शिक्षकों, एवं विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया।कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण, धन्यवाद ज्ञापन व राष्ट्रगान के साथ हुआ।

आई.टी.एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन

दैनिक रोजाना टाइम्स

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी दिल्ली मेरठ रोड पर विश्व फार्मासिस्ट दिवस 2026 का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम ह्लस्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनानाह्व रही। कार्यक्रम का उद्देश्य फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका, विद्यार्थियों के व्यावसायिक विकास तथा समाज के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण में फार्मेसी क्षेत्र के योगदान को रेखांकित करना रहा। जिसमें कॉलेज के लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आईटीएस - दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर.पी चड्डा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्डा, जनसंपर्क निदेशक सुरेन्द्र सूद, मुख्य अतिथिगण डॉ एम कलाइवानी, संदीप सोनी, पूर्व छात्र आई.टी.एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी नितिन राजपूत, संस्थान के निदेशक डॉ एस सतीश कुमार, एवं संस्थान की डीन डॉ राजकुमारी द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ एम कलाइवानी, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने संबोधन में फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बढ़ती जिम्मेदारियों एवं महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आगे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित संदीप सोनी, परामर्शदाता मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, विवस हेल्थकेयर, दिल्ली ने अपने संबोधन में फार्मासिस्टों की भूमिका एवं जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के पूर्व छात्र नितिन राजपूत, निदेशक, एनसीआर हेल्थकेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद, हरियाणा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कॉलेज जीवन उनके व्यावसायिक जीवन की नींव रखने वाला महत्वपूर्ण चरण रहा है।

इस अवसर पर डॉ आर.पी चड्डा, चेयरमैन आई.टी.एस - दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने स्वागत प्रेरणादायक संबोधन में सभी अतिथियों, शिक्षकों, एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार अंग हैं। कार्यक्रम मे अर्पित चड्डा, वाइस चेयरमैन, आईटीएस- दी एजुकेशन ग्रुप ने कहा कि फार्मेसी केवल एक व्यावसायिक शिक्षा नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य एवं समाज की सेवा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार क्षेत्र है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संस्थान के निदेशक, शिक्षकों, आयोजन समिति एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उपस्थित सुरेन्द्र सूद, जनसंपर्क निदेशक, आईटीएस - दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने संबोधन में कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था की एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी हैं और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा में उनकी भूमिका अत्यंत व्यापक एवं जिम्मेदारीपूर्ण है। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण धन्यवाद ज्ञापन व राष्ट्रगान के साथ हुआ।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी दिल्ली – मेरठ रोड, गाजियाबाद में विश्व फार्मासिस्ट दिवस – 2026 का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम "स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना" रही। कार्यक्रम का उद्देश्य फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका, विद्यार्थियों के व्यावसायिक विकास तथा समाज के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण में फार्मेसी क्षेत्र के योगदान को रेखांकित करना रहा। जिसमें कॉलेज के लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आईटीएस – दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आरपी चढ्डा, वाइस चेयरमैन अर्पित चढ्डा, जनसंपर्क निदेशक सुरेन्द्र सूद, मुख्य अतिथिगण डॉ0 एम कलाइवानी, संदीप सोनी, पूर्व छात्र आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी नितिन राजपूत, संस्थान के निदेशक डॉ0 एस सदीश कुमार, एवं संस्थान की डीन डॉ0 राजकुमारी द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ0 एम कलाइवानी, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने संबोधन में फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बढ़ती जिम्मेदारियों एवं महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला।

रहा है। पारमार्थिक पार्क में प्रवचन समिति के समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया

पूर्व छात्र नितिन राजपूत ने विद्यार्थियों के साथ अपने पेशेवर अनुभव साझा किए

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, दिल्ली-मेरठ रोड, गाजियाबाद में विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2026 उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम ह्लस्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनानाह्व रही। कार्यक्रम में कॉलेज के करीब 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, जनसंपर्क निदेशक सुरेंद्र सूद, मुख्य अतिथि डॉ. एम. कलाइवानी, विशिष्ट अतिथि संदीप सोनी, पूर्व छात्र नितिन राजपूत, निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार और डीन डॉ. राजकुमारी ने दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया।

मुख्य अतिथि डॉ. एम. कलाइवानी ने फार्मासिस्टों की बढ़ती जिम्मेदारियों, फामार्कोविजिलेंस, औषधि सुरक्षा तथा निरंतर ज्ञान अर्जित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। संदीप सोनी ने फार्मासिस्टों की बदलती भूमिका और नए करियर अवसरों की जानकारी दी। पूर्व छात्र नितिन राजपूत ने विद्यार्थियों के साथ अपने पेशेवर अनुभव साझा किए।

इस अवसर पर फार्मा क्विज, पोस्टर प्रस्तुति, सामुदायिक भ्रमण और जन-जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजकुमारी, साक्षी चौहान और मनीष कुमार ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आयोजन आईटीएस कालेज ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मसिस्ट दिवस का हुआ आयोजन

ज्ञान, कौशल, व्यावहारिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता ही छात्र को सशक्त बनाती है : डा. एस कलाईवानी

हिन्द संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी संस्थान में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना रही थीम पर वक्ताओं ने फार्मेसी के क्षेत्र में उभरते हुए नए व्यावसायिक एवं पेशेवर अवसरों पर प्रकाश डाला। वर्तमान समय में फार्मासिस्टों के लिए पारंपरिक भूमिकाओं के साथ-साथ हेल्थ काउंसलर, रोगी परामर्शदाता तथा स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में अपने कौशल के अनुरूप नए अवसरों के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ आईटीएस-दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0 पी0 चड्डा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्डा, जनसंपर्क निदेशक सुरेन्द्र सूद, मुख्य अतिथिगण भारतीय फामाकोपिया आयोग (आईपीसी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रधान वैज्ञानिक डॉ0 एम0 कलाइवानी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डा एम कलाइवानी ने कहा कि छात्रों को भविष्य के फार्मासिस्ट के रूप में स्वयं को सशक्त बनाने के लिए ज्ञान, कौशल, व्यावहारिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता एवं निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने औषधि सुरक्षा निगरानी के महत्व पर भी प्रकाश डाला।साथ ही उन्होंने फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की भूमिका एवं फार्मेसी शिक्षा तथा पेशे के नियमन से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर छात्रों से चर्चा की। विशिष्ट अतिथि विक्स हेल्थकेयर के प्रबंध निदेशक संदीप सोनी ने फार्मासिस्टों के महत्व एवं समाज में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण समय को भी याद करते हुए उस दौरान फार्मासिस्टों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

संस्थान के पूर्व छात्र एवं एनसीआर हेल्थकेयर इंडिया के निदेशक नितिन राजपूत ने अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। कहा कि कैरियर में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विषय का मजबूत ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव, मेहनत, धैर्य और सीखने की निरंतर इच्छा आवश्यक है। अंत में संस्थान के चेयरमैनडॉ0 आर0 पी0 चड्डा ने आगंतुको का आभार जताया।वाईस चेयरमैन अर्पित चडढा ने कहा कि फार्मेसी केवल एक व्यावसायिक शिक्षा नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य एवं समाज की सेवा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार क्षेत्र है। निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार ने प्रतिस्पर्धा के इस दौर में विद्यार्थियों को भविष्य की इन चुनौतियों के लिए अभी से स्वयं को तैयार रहने पर बल दिया। छात्रों ने फार्मा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (फार्मा क्विज), पोस्टर प्रस्तुतियों, समुदाय भ्रमण एवं सामुदायिक जागरूकता जैसे कार्यक्रमों में भी प्रतिभाग किया। विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरूस्कृत किया। संचालन डीन डॉ राजकुमारी, मिस साक्षी चौहान एवं मि0 मनीष कुमार ने किया। उपस्थित प्रमुख लोगो में पूर्व छात्र संदीप सोनी,नितिन राजपूत, संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार, डीन डॉ0 राजकुमारी आदि उपस्थित रहें।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मसिस्ट दिवस का आयोजन

ज्ञान, कौशल, व्यावहारिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता ही छात्र को सशक्त बनाती हैं डॉ. एस कलाईवानी

● जनवाणी संवाददाता, मुरादनगर

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी संस्थान में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना रही थीम पर वक्ताओं ने फार्मेसी के क्षेत्र में उभरते हुए नए व्यावसायिक एवं पेशेवर अवसरों पर प्रकाश डाला। वर्तमान समय में फार्मासिस्टों के लिए पारंपरिक भूमिकाओं के साथ-साथ हेल्थ काउंसलर, रोगी परामर्शदाता तथा स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में अपने कौशल के अनुरूप नए अवसरों के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ आईटीएस दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्डा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्डा, जनसंपर्क निदेशक सुरेन्द्र सूद, मुख्य अतिथिगण भारतीय फामाकोपिया आयोग (आईपीसी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रधान वैज्ञानिक डॉ० एम० कलाइवानी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जलवित कर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डा एम कलाइवानी ने कहा कि छात्रों को भविष्य के फार्मासिस्ट के रूप में स्वयं को सशक्त बनाने के लिए ज्ञान, कौशल, व्यावहारिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता एवं निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने औषधि सुरक्षा निगरानी के महत्व पर भी प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की भूमिका एवं फार्मेसी शिक्षा तथा पेशे के नियमन से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर छात्रों से चर्चा की। विशिष्ट अतिथि किम्स हेल्थकेयर के प्रबंध निदेशक संदीप सोनी ने फार्मासिस्टों के महत्व एवं समाज में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण समय को भी याद करते हुए उस दौरान फार्मासिस्टों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

संस्थान के पूर्व छात्र एवं एनसीआर हेल्थकेयर इंडिया के निदेशक नितिन राजपूत ने अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। कहा कि कैरियर में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विषय का मजबूत ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव, मेहनत, धैर्य और सीखने की निरंतर इच्छा आवश्यक है। अंत में संस्थान के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्डा ने आगुंतको का आभार जताया। वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि फार्मेसी केवल एक व्यावसायिक शिक्षा नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य एवं समाज की सेवा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार क्षेत्र है। निदेशक डॉ. एस सदीश कुमार ने प्रतिस्पर्धा के इस दौर में विद्यार्थियों को भविष्य की इन चुनौतियों के लिए अभी से स्वयं को तैयार रहने पर बल दिया। छात्रों ने फार्मा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (फार्मा क्विज), पोस्टर प्रस्तुतियों, समुदाय भ्रमण एवं सामुदायिक जागरूकता जैसे कार्यक्रमों में भी प्रतिभाग किया। विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया। संचालन डीन डॉ राजकुमारी, मिस साक्षी चौहान एवं मि. मनीष कुमार ने किया। उपस्थित प्रमुख लोगों में पूर्व छात्र संदीप सोनी, नितिन राजपूत, संस्थान के निदेशक डॉ. एस सदीश कुमार, डीन डॉ. राजकुमारी आदि उपस्थित रहे।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, दिल्ली-मेरठ रोड, गाजियाबाद में विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2026 का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना' रही। कार्यक्रम में कॉलेज के लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, जनसंपर्क निदेशक सुरेन्द्र सूद, मुख्य अतिथि डॉ. एम. कलाइवानी, संदीप सोनी, पूर्व छात्र नितिन राजपूत, संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सतीश कुमार एवं डीन डॉ. राजकुमारी द्वारा [illegible] दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. एम. कलाइवानी, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) ने कहा कि भविष्य के फार्मासिस्ट के रूप में स्वयं को सशक्त बनाने हेतु निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की भूमिका और फार्माकोविजिलेंस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की निगरानी एवं रिपोर्टिंग को रोगी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि संदीप सोनी, परामर्शदाता मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, विक्स हेल्थकेयर, दिल्ली ने कहा कि फार्मासिस्ट केवल औषधियों के वितरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि औषधियों के सुरक्षित एवं तर्कसंगत उपयोग और रोगी जागरूकता में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने स्वयं तैयार की गई वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से फार्मासिस्टों के योगदान को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। पूर्व छात्र नितिन राजपूत, निदेशक, एनसीआर हेल्थकेयर इंडिया प्रा. लि. ने कहा कि करियर में सफलता के लिए ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव और धैर्य आवश्यक है। चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार अंग है। वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि फार्मेसी केवल व्यावसायिक शिक्षा नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य एवं समाज की सेवा से जुड़ा क्षेत्र है। निदेशक डॉ. एस. सतीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बदलते स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में फार्मासिस्टों की जिम्मेदारियां निरंतर बढ़ रही हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत फार्मा प्रश्नोत्तरी, पोस्टर प्रस्तुति, समुदाय भ्रमण एवं सामुदायिक जागरूकता जैसे कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण, धन्यवाद ज्ञापन व राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन डीन डॉ. राजकुमारी, साक्षी चौहान एवं मनीष कुमार ने किया।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया

कृष्ण उजाला संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, दिल्ली-मेरठ रोड, गाजियाबाद में विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2026 उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम ह्लस्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना रही। कार्यक्रम में कॉलेज के करीब 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईटीएस-दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर. पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, जनसंपर्क निदेशक सुरेन्द्र सूद, मुख्य अतिथि डॉ. एम. कलाइवानी, विशिष्ट अतिथि संदीप सोनी, पूर्व छात्र नितिन राजपूत, निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार और डीन डॉ. राजकुमारी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया। मुख्य अतिथि डॉ. एम. कलाइवानी, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, भारतीय फामाकोपिया आयोग ने फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा में बढ़ती जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल, व्यावहारिक दक्षता और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही फामाकोविजिलेंस और प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की पहचान एवं रिपोर्टिंग के महत्व की जानकारी दी।

विशिष्ट अतिथि संदीप सोनी ने कहा कि फार्मासिस्ट केवल दवाओं के वितरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दवाओं के सुरक्षित उपयोग, रोगी जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने फामेर्सी क्षेत्र में उभरते रोजगार एवं पेशेवर अवसरों की जानकारी दी और कोविड-19 के दौरान फार्मासिस्टों के योगदान को याद किया।पूर्व छात्र नितिन राजपूत ने विद्यार्थियों के साथ अपने कॉलेज से पेशेवर जीवन तक के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि करियर में सफलता के लिए डिग्री के साथ विषय का ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव, मेहनत, धैर्य और निरंतर सीखने की इच्छा जरूरी है।चेयरमैन डॉ. आर. पी. चड्ढा ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग हैं और रोगी सुरक्षा, औषधियों के उचित उपयोग, अनुसंधान तथा स्वास्थ्य जागरूकता में उनकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने फामेर्सी को मानव स्वास्थ्य एवं समाज सेवा से जुड़ा जिम्मेदार क्षेत्र बताया।कार्यक्रम में फार्मा क्विज, पोस्टर प्रस्तुति, सामुदायिक भ्रमण और सामुदायिक जागरूकता जैसी विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा और टीम भावना का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण, धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। संचालन डीन डॉ. राजकुमारी, साक्षी चौहान और मनीष कुमार ने किया।

लोकहित क्रान्ति

आई0 टी0 एस0 कॉलेज ऑफ फामेर्सी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन

लोकहित क्रान्ति

मुरादनगर। आई0 टी0 एस0 कॉलेज ऑफ फामेर्सी दिल्ली - मेरठ रोड, गाजियाबाद में विश्व फार्मासिस्ट दिवस - 2026 का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना रही। कार्यक्रम का उद्देश्य फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका, विद्यार्थियों के व्यावसायिक विकास तथा समाज के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण में फामेर्सी क्षेत्र के योगदान को रेखांकित करना रहा। जिसमें कॉलेज के लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आई0 टी0 एस0 - दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0 पी0 चढ्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चढ्ढा, जनसंपर्क निदेशक सुरेन्द्र सूद, मुख्य अतिथिगण डॉ0 एम0 कलाइवानी, संदीप सोनी, पूर्व छात्र आई0 टी0 एस0 कॉलेज ऑफ फामेर्सी नितिन राजपूत, संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार, एवं संस्थान की डीन डॉ0 राजकुमारी द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ0 एम0 कलाइवानी, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, भारतीय फामार्कोपिया आयोग (आईपीसी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने संबोधन में फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बढ़ती जिम्मेदारियों एवं महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य के फार्मासिस्ट के रूप में स्वयं को सशक्त बनाने के लिए ज्ञान, कौशल, व्यावहारिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता एवं निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को फामेर्सी के क्षेत्र में निरंतर ज्ञान अर्जित करने तथा नवीनतम वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति से स्वयं को अपडेट रखने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया की भूमिका एवं फामेर्सी शिक्षा तथा पेशे के नियमन से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं की संक्षिप्त जानकारी विद्यार्थियों के साथ साझा की। साथ ही उन्होंने फामार्कोविजिलेंस

(औषधि सुरक्षा निगरानी) के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि औषधियों के उपयोग के दौरान होने वाली प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की पहचान, निगरानी एवं रिपोर्टिंग रोगी सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की उचित पहचान एवं रिपोर्टिंग के बारे में जागरूक किया तथा फार्मासिस्टों की इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में फार्मासिस्ट केवल औषधियों के वितरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि औषधियों के सुरक्षित एवं तर्कसंगत उपयोग, रोगी जागरूकता तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं फार्मासिस्टों के महत्व एवं समाज में उनकी भूमिका को विद्यार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिए उनके द्वारा स्वयं तैयार की गई एक विशेष वीडियो प्रस्तुति भी प्रदर्शित की गई। वीडियो के माध्यम से फार्मासिस्टों द्वारा स्वास्थ्य सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे योगदान को रचनात्मक एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिससे विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनों ने सराहा। उन्होंने फामेर्सी के क्षेत्र में उभरते हुए नए व्यावसायिक एवं पेशेवर अवसरों पर भी प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में फार्मासिस्टों के लिए पारंपरिक भूमिकाओं के साथ-साथ हेल्थ काउंसलर, रोगी परामर्शदाता तथा स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में भी कार्य करने की संभावनाएँ बढ़ रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को इन नए क्षेत्रों की संभावनाओं को समझने और अपने कौशल के अनुरूप नए अवसरों के लिए स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया।अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण समय को भी याद किया और उस दौरान फार्मासिस्टों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने उस कठिन समय में फार्मासिस्ट समुदाय द्वारा किए गए योगदान एवं सेवाओं को स्मरण करते हुए विद्यार्थियों को अपने पेशे की सामाजिक जिम्मेदारी को समझने का संदेश दिया।

उन्होंने अपने करियर की शुरूआत, पहली नौकरी के अनुभव, कार्यस्थल पर आने वाली चुनौतियों तथा विभिन्न जिम्मेदारियों को निभाते हुए आगे बढ़ने की यात्रा के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि करियर में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विषय का मजबूत ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव, मेहनत, धैर्य और सीखने की निरंतर इच्छा आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ0 आर0 पी0 चढ्ढा, चेयरमैन, आई0 टी0 एस0 - दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने स्वागत प्रेरणादायक संबोधन में सभी अतिथियों, शिक्षकों, एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार अंग हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में फामेर्सी का क्षेत्र केवल औषधियों के निर्माण एवं वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि रोगी की सुरक्षा, औषधियों के उचित एवं तर्कसंगत उपयोग, स्वास्थ्य जागरूकता, अनुसंधान तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम में आगे अर्पित चढ्ढा, वाइस चेयरमैन, आई0 टी0 एस0 - दी एजुकेशन ग्रुप ने कहा कि फामेर्सी केवल एक व्यावसायिक शिक्षा नहीं,

बल्कि मानव स्वास्थ्य एवं समाज की सेवा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार क्षेत्र है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संस्थान के निदेशक, शिक्षकों, आयोजन समिति एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में उपस्थित सुरेन्द्र सूद, जनसंपर्क निदेशक, आई0 टी0 एस0 - दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने संबोधन में कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था की एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी हैं और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा में उनकी भूमिका अत्यंत व्यापक एवं जिम्मेदारीपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्व के करोड़ों लोगों तक गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं प्रभावी औषधियां पहुंचाने में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित आई0 टी0 एस0 कॉलेज ऑफ फामेर्सी के पूर्व छात्र नितिन राजपूत जो कि एक सफल पेशेवर हैं। उन्होंने ने बताया कि भारतीय फामार्कोपिया विश्व के लगभग 25 देशों मे उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि हमारा मस्तिष्क प्रत्येक क्षण बदलता रहता है, इस प्रकार वर्ष के अन्त में प्रत्येक छात्र के पास लगभग 365 विचार हो सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार ने अपने संबोधन में सभी सम्मानित अतिथियों, शिक्षकों, एवं विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने विश्व फार्मासिस्ट दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण अंग है तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं औषधियों के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि बदलते स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में फार्मासिस्टों की जिम्मेदारियाँ निरंतर बढ़ रही हैं और विद्यार्थियों को भविष्य की इन चुनौतियों के लिए अभी से स्वयं को तैयार करना चाहिए।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत विद्यार्थियों के ज्ञान एवं प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से फार्मा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (फार्मा क्विज), पोस्टर प्रस्तुतियों, समुदाय भ्रमण एवं सामुदायिक जागरूकता जैसे कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न गतिविधियों में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक एवं सक्रिय रूप से भाग लिया। विद्यार्थियों ने फार्मा प्रश्नोत्तरी, पोस्टर प्रस्तुतियों, सामुदायिक भ्रमण तथा अन्य आयोजन संबंधी गतिविधियों में अपनी प्रतिभा एवं टीम भावना का प्रदर्शन किया।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

संवाद सहयोगी, जागरण, मुरादनगर : दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस कालेज में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर अनेक प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कालेज की फार्मेसी विंग के तत्वाधान में थिंक हेल्थ, थिंक फार्मासिस्ट थीम के तहत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि डा. एम कलाइवानी, संदीप सोनी, आईटीएस के पूर्व छात्र नितिन राजपूत ने दीप प्रज्वलित करके किया। किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बढ़ती जिम्मेदारियों एवं महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों के लिए ओरल प्रेज़ेंटेशन, वाद-विवाद एवं फार्मा क्विज प्रतियोगिता का आयोजित की गई। प्रत्येक प्रतियोगिता में विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में आयोजित किया गया कार्यक्रम, 200 छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा

फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा की महत्वपूर्ण कड़ी : डॉ. कलाइवानी

संवाद न्यूज एजेंसी

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में शुक्रवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस वर्ष की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना' रही। कार्यक्रम में करीब 200 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, जनसंपर्क निदेशक सुरेंद्र सूद, मुख्य अतिथि डॉ. एस. कलाइवानी, संदीप सोनी, नितिन राजपूत, निदेशक डॉ. एस. सतीश कुमार एवं डीन डॉ. राजकुमारी ने किया।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के कार्यक्रम में मौजूद लोग। संवाद

मुख्य अतिथि भारतीय फार्माकोपिया आयोग के प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. एस. कलाइवानी ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल, व्यावहारिक दक्षता और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ नवीनतम तकनीकी जानकारी से अपडेट रहने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में विजेता बने विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

उन्होंने औषधियों की सुरक्षा और प्रतिकूल प्रभावों की पहचान व रिपोर्टिंग में फार्मासिस्टों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

विशिष्ट अतिथि विक्सा हेल्थकेयर के सहसंस्थापक सीईओ व प्रबंध निदेशक संदीप सोनी ने कहा कि फार्मासिस्टों की भूमिका केवल दवाओं के वितरण तक सीमित नहीं है। रोगी जागरूकता, उचित दवा उपयोग और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने फार्मासिस्टों की भूमिका पर वीडियो प्रस्तुति भी दिखाई।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के पूर्व छात्र एवं एमक्योर हेल्थकेयर इंडिया के निदेशक नितिन राजपूत ने विद्यार्थियों से अपने पेशेवर अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि करियर में सफलता के लिए डिग्री के साथ विषय का मजबूत ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव और निरंतर सीखना जरूरी है। चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा ने कहा कि फार्मेसी अब केवल दवा निर्माण और वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि रोगी सुरक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य जागरूकता से भी जुड़ी है।

वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने फार्मेसी को मानव सेवा से जुड़ा जिम्मेदार क्षेत्र बताया। कार्यक्रम में फार्मा क्विज, पोस्टर प्रस्तुति, समुदाय भ्रमण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन डीन डॉ. राजकुमारी, पार्थी चौहान और मनीष कुमार ने किया।

आयोजन फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार अंग

आई.टी.एस. कॉलेज ऑफ फामेर्सी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का हुआ आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुजफ्फरनगर (नासिर मंसूरी)। दिल्ली मेरठ रोड पर अमालत नगर के निकट स्थित आई.टी.एस. कॉलेज ऑफ फामेर्सी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य फार्मासिस्टों को स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका, विद्यार्थियों के व्यावसायिक विकास तथा समाज के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण में फामेर्सी क्षेत्र के योगदान को रेखांकित करना रहा। जिसमें कॉलेज के लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया।
कार्यक्रम का शुभारम्भ आई.टी.एस.- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ० आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, जनसम्पर्क निदेशक सुरेन्द्र सूद, मुख्य अतिथिगण डॉ. एम. कलाइवानी, संदीप सोनी, पूर्व छात्र आई.टी.एस. कॉलेज ऑफ फामेर्सी नितिन राजपूत, संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सतीश कुमार, एवं संस्थान की डीन डॉ. राजकुमारी द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ० एम. कलाइवानी ने अपने संबोधन में फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बढ़ती जिम्मेदारियों एवं महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य के फार्मासिस्ट के रूप में स्वयं को सशक्त बनाने के लिए ज्ञान, कौशल, व्यावहारिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता एवं निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को फामेर्सी के क्षेत्र में निरंतर ज्ञान अर्जित करने तथा नवीनतम वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति से स्वयं को अपडेट रखने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने फार्माकोविजिलेंस (औषधि सुरक्षा निगरानी) के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि औषधियों के उपयोग के दौरान होने वाली प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की पहचान, निगरानी एवं रिपोर्टिंग रोगी सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संदीप सोनी ने अपने संबोधन में फार्मासिस्टों की भूमिका एवं जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में फार्मासिस्ट केवल औषधियों के वितरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि औषधियों के सुरक्षित एवं तर्कसंगत उपयोग, रोगी जागरूकता तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इस अवसर पर डॉ. आर.पी. चड्ढा, चेयरमैन, आई. टी. एस. - दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने स्वागत प्रेरणादायक संबोधन में सभी अतिथियों, शिक्षकों, एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार अंग हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में फामेर्सी का क्षेत्र केवल औषधियों के निर्माण एवं वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि रोगी की सुरक्षा, औषधियों के उचित एवं तर्कसंगत उपयोग, स्वास्थ्य जागरूकता, अनुसंधान तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

चमकता गांव

विज्ञापन के लिए संपर्क करें 9643538386

फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदार अंग है: डॉ. आरपी चड्ढा

[illegible]

समाचार का उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ अर्जित करना नहीं बल्कि समाज की सेवा व सत्य को सामने लाना है: अतुल गर्ग

पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल ने

UPNEWS

आई० टी० एस० कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन

on September 25, 2026

आई० टी० एस० कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन

सोशल मीडिया टाइम्स

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी दिल्ली - मेरठ रोड, गाजियाबाद में विश्व फार्मासिस्ट दिवस - 2025 का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम "स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों की सशक्त भूमिका" रही। कार्यक्रम का उद्देश्य फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका, विद्यार्थियों के व्यावसायिक विकास तथा समाज के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के

निर्माण में फार्मेसी क्षेत्र के योगदान को रेखांकित करना रहा। जिसमें कॉलेज के लगभग 300 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ.आर.पी.चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, उपाध्यक्ष निदेशक सुरेन्द्र सूद, मुख्य अतिथिगण डॉ.एम.कलाइवानी, संदीप सैनी, पूर्व छात्र आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी नितिन राजपूत, संस्थान के निदेशक डॉ.सतीश कुमार, एवं संस्थान की डीन डॉ.राजकुमारी द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ.एम.कलाइवानी, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने संबोधन में फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बढ़ती जिम्मेदारियों एवं महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य के फार्मासिस्ट के रूप में स्वयं को सक्षम बनाने के लिए ज्ञान, कौशल, व्यावसायिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता एवं निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को फार्मेसी के क्षेत्र में निरंतर ज्ञान अर्जित करने तथा नवीनतम वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति से स्वयं को अपडेट रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की भूमिका एवं फार्मेसी शिक्षा तथा पेशे के नियमन से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं की संक्षिप्त जानकारी विद्यार्थियों के साथ साझा की। साथ ही उन्होंने फार्माकोविजिलेंस (औषधि सुरक्षा निगरानी) के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि औषधियों के उपयोग के दौरान होने वाली प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की पहचान, निगरानी एवं रिपोर्टिंग रोगी सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आई0 टी0 एस0 कॉलेज ऑफ फामेर्सी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन

आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में धूमधाम से मना विश्व फार्मासिस्ट दिवस

भास्कर ब्यूरो

मुरादनगर । नगर स्थित आई0 टी0 एस0 कॉलेज ऑफ फामेर्सी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2026 बड़े उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस वर्ष की थीम ह्लस्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना रही। कार्यक्रम में लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आई0 टी0 एस0 - दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0 पी0 चड्डा, वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्डा, जनसंपर्क निदेशक श्री सुरेन्द्र सूद, मुख्य अतिथि डॉ0 एम0 कलाइवानी, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, भारतीय फामाकोपिया आयोग, श्री संदीप सोनी, पूर्व छात्र श्री नितिन राजपूत, निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार एवं डीन डॉ0 राजकुमारी द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि डॉ0 एम0 कलाइवानी ने फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा में बढ़ती जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भविष्य के फार्मासिस्ट को ज्ञान, कौशल, नेतृत्व क्षमता और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करनी होगी। उन्होंने फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया की भूमिका, फामेर्सी शिक्षा के नियमन और फामाकोविजिलेंस (औषधि सुरक्षा

निगरानी) के महत्व पर जानकारी दी तथा प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग को रोगी सुरक्षा के लिए जरूरी बताया। विशिष्ट अतिथि श्री संदीप सोनी ने कहा कि फार्मासिस्ट केवल औषधियों के वितरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सुरक्षित एवं तर्कसंगत उपयोग और रोगी जागरूकता में भी अहम योगदान देते हैं। उन्होंने स्वयं तैयार की गई वीडियो प्रस्तुति दिखाई और हेल्थ काउंसलर व रोगी परामर्शदाता जैसे नए अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कोविड-19 के दौरान फार्मासिस्टों की भूमिका को भी याद किया। पूर्व छात्र श्री नितिन राजपूत ने अपने कॉलेज जीवन से लेकर निदेशक बनने तक के अनुभव साझा किए और कहा कि सफलता के लिए डिग्री के साथ मजबूत ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव और धैर्य जरूरी है। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ0 आर0 पी0 चड्डा ने फार्मासिस्ट को स्वास्थ्य सेवा का महत्वपूर्ण अंग बताया।

फार्मासिस्ट सिर्फ दवा वितरक नहीं, मरीज की सुरक्षा की भी जिम्मेदारी: डॉ. कलाइवानी

- आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर जुटे विशेषज्ञ और विद्यार्थी
- 200 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा, फार्मा क्विज, पोस्टर और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम हुए

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ रोड स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में शुक्रवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2026 का आयोजन उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना' रही। कार्यक्रम में कॉलेज के करीब 200 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में फार्मासिस्ट की बढ़ती भूमिका, औषधि सुरक्षा, व्यावसायिक विकास और फामेर्सी क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, जनसंपर्क निदेशक सुरेंद्र सूद, मुख्य अतिथि भारतीय फामाकोपिया आयोग के प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. एम. कलाइवानी, विशिष्ट अतिथि विक्स हेल्थकेयर दिल्ली के परामर्शदाता मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक संदीप सोनी, कॉलेज के पूर्व छात्र एवं एनसीआर हेल्थकेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड फरीदाबाद के निदेशक नितिन राजपूत, संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सतीश कुमार और डीन डॉ. राजकुमारी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया। मुख्य अतिथि डॉ. एम. कलाइवानी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में फार्मासिस्टों की जिम्मेदारियां लगातार बढ़ रही हैं। भविष्य के फार्मासिस्टों को ज्ञान, कौशल, व्यावहारिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में हो रहे बदलावों से खुद को अपडेट रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने फामेर्सी शिक्षा और पेशे के नियमन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी देते हुए फामाकोविजिलेंस यानी औषधि सुरक्षा निगरानी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि दवाओं के इस्तेमाल के दौरान होने वाली प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की पहचान, निगरानी और रिपोर्टिंग मरीज की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। इस प्रक्रिया में फार्मासिस्टों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

विशिष्ट अतिथि संदीप सोनी ने कहा कि फार्मासिस्टों की भूमिका केवल दवाओं के वितरण तक सीमित नहीं है। वे दवाओं के सुरक्षित और तर्कसंगत उपयोग, मरीजों को परामर्श देने और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने फार्मासिस्टों की भूमिका पर आधारित विशेष वीडियो प्रस्तुति भी विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत की। उन्होंने हेल्थ काउंसलर, रोगी परामर्शदाता और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे क्षेत्रों में फामेर्सी के विद्यार्थियों के लिए बढ़ते अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान फार्मासिस्टों की सेवाओं को भी याद किया और विद्यार्थियों को अपने पेशे की सामाजिक जिम्मेदारी समझने का संदेश दिया। आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के पूर्व छात्र और एनसीआर हेल्थकेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक नितिन राजपूत ने विद्यार्थियों के साथ अपने कॉलेज से लेकर पेशेवर जीवन तक के अनुभव साझा किए।